



भारत का सञ्चयन The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 70]

नई दिल्ली, सोमवार, मार्च 1, 1982/फाल्गुन 10, 1903

No. 70] NEW DELHI, MONDAY, MARCH 1, 1982/PHALGUNA 10, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

लोक सभा सचिवालय

नई दिल्ली, 1 मार्च, 1982

सा० का० नि० 239(अ).—संसद् सदस्य वेतन, भत्ता और पेंशन अधिनियम 1954 (1954 का 30) की धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन गठित संयुक्त समिति, उक्त धारा की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार से परामर्श करने के पश्चात् संसद् सदस्य (यात्रा और दैनिक भत्ते) नियम, 1957 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, जो राज्य सभा के सभापति और लोक सभा के अध्यक्ष द्वारा उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा अनेक्षित रूप में अनुमोदित और पुष्ट कर लिए गए हैं, अर्थात् :—

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम संसद् सदस्य (यात्रा और दैनिक भत्ते) संशोधन नियम, 1982 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- संसद् सदस्य (यात्रा और दैनिक भत्ते) नियम, 1957 में,—
- (क) नियम 18क के पश्चात् निम्नलिखित नियम अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“18ख(1)—प्रत्येक सदस्य जैसे ही वह संसद् के किसी भी सदन के लिए निर्वाचित या नामनिर्देशित होता है, नामनिर्देशित की विशिष्टियाँ उल्लिखित करते हुए, प्रारूप ड में नामनिर्देशन संसद् के

संबंधित सदन के सचिवालय को जो सदस्य की मृत्यु होने की संभावना में उस सदस्य को अधिनियम और उसके अधीन बनाए गए तत्समय प्रवृत्त नियमों के उपबंधों के अधीन संवेद्य और उसकी मृत्यु के समय तक असंशुद्ध वेतन, अतिरिक्त सुविधा भत्ता, यात्रा भत्ता, दैनिक भत्ता और चिकित्सा प्रसिद्धि दावे प्राप्ति प्राप्त करने का हकदार होगा।

(2) उपनियम (1) के अधीन प्रत्येक नामनिर्देशित संवेद्य न दावा करने के पूर्व उस सदन के सचिवालय को, जिसके लिए उस सदस्य निर्वाचित या नामनिर्देशित हुआ था, प्रारूप “च” में एक बंधपत्र देगा।”

(ख) प्रारूप “घ” के पश्चात् निम्नलिखित प्रारूप अन्तःस्थापित किए जायेंगे, अर्थात् :—

“प्रारूप ड”

(नियम 18ख (1) देखिए)

नामानिर्देशन प्रारूप

(दो प्रतियों में करा जाएगा)

मैं, सदस्य, लोक सभा, राज्य सभा इसके द्वारा निम्नलिखित व्यक्ति/व्यक्तियों को नामनिर्देशित करता हूँ जो मेरे परिवार का सदस्य है, के सदस्य हैं और उसे/उन्हें लोक सभा, राज्य सभा सचिवालय द्वारा मुझे शोष्य तथा असंशुद्ध वेतन अतिरिक्त सुविधा भत्ता, यात्रा, दैनिक

भत्ता, चिकित्सा प्रतिपूर्ति दावे और कोई अन्य भत्ते तथा दावे मेरी मृत्यु होने की दशा में, प्राप्त करने का अधिकार प्रवर्त करता हूँ।

मूल नामनिर्देशिनी		आनुकूलिक नामनिर्देशिनी	
नामनिर्देशिनी सदस्य से का नाम और संबंध पता	आयु	नामनिर्देशिनी सदस्य से का नाम और संबंध पता	आयु
हस्ताक्षर के साथी			
1.	19
नाम (पता)
2.		सदस्य के हस्ताक्षर	
नाम		नाम	
पता		क्रम सं०	

टिप्पण :—

सदस्य को सलाह दी जाती है कि यह उसके नामनिर्देशिनी के हित में होगा कि नामनिर्देशन पत्रों तथा संबंधित सूचनाओं और अभिलेखों की प्रतियाँ सुरक्षित अभिरक्षा में रखी जाएं ताकि सदस्य की मृत्यु हो जाने की दशा में वे हिताधिकारियों को प्राप्त हो सकें।

प्राकृत्य "ज"

(नियम 18ख (2) देखिए)

लोक सभा, राज्य सभा के मूल सदस्य को शोध्य वेतन, प्रतिरिक्त सुविधा भत्ता, यात्रा और दैनिक भत्ता तथा चिकित्सा प्रतिपूर्ति दावा और अन्य भत्ते तथा दावों की बकाया रकम लेने के लिए क्षतिपूर्ति बंधपत्र का प्रारूप श्री अपनी मृत्यु के समय लोक सभा, राज्य सभा

मृतक का नाम

के सदस्य थे और उनको रुपये (६०.....) की रकम (उनके उक्त पत्र की बाबत वेतन, प्रतिरिक्त सुविधा भत्ता, यात्रा तथा दैनिक भत्ता और चिकित्सा प्रतिपूर्ति दावों के लिए) शोध्य थी और आबद्ध व्यक्ति (जिसे इसमें इसके पश्चात् (दावेदार का नाम)

"दावेदार" कहा गया है) उक्त रकम की बाबत श्री (मृतक का नाम)

को आधिकारिक रूप से उक्त रकम का हकदार होने का दावा करता है/करती है किन्तु उसने उक्त श्री की सम्पत्ति और (मृतक का नाम)

बीजबस्त जिसके अन्तर्गत रुपये (६०.....) की उक्त रकम है, प्रशासन पत्र या उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र अभिप्राप्त नहीं किया है। और दावेदार ने लोक सभा, राज्य सभा सचिवालय का समाधान कर दिया है कि वह पूर्वोक्त रकम का/की हकदार है और यह कि यदि दावेदार से उक्त श्री की सम्पत्ति और (मृतक का नाम)

बीजबस्त की बाबत (जिसके अन्तर्गत रुपये (६०.....) की उक्त रकम है, प्रशासन पत्र या उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र पेश करने की अपेक्षा की जाएगी तो इसमें असम्यक् क्लेश और कष्ट होगा।

और लोक सभा, राज्य सभा सचिवालय यह चाहता है कि दावेदार को उक्त रकम का संदाय कर दिया जाए किन्तु इससे पहले कि दावेदार

को उक्त रकम का संदाय किया जाए वह एक प्रतिभू/वो प्रतिभूओं सहित एक बंधपत्र उन सभी दावों मध्ये जो लोक सभा, राज्य सभा सचिवालय की क्षतिपूर्ति करने और उसे क्षतिपूर्ति और हानिरहित रखने के लिए हों, निष्पादित करे जो उक्त श्री को उपरोक्त रूप (मृतक व्यक्ति का नाम) में शोध्य रकम की बाबत किए जाएं।

इस विवेक से सब को ज्ञात हो कि मैं (दावेदार का पूरा नाम और निवास

स्थान का पता) (मृतक से संबंध कथित करें)

और मैं/हम (प्रतिभू या प्रतिभूओं के पूरे नाम)

जो उसकी ओर से प्रतिभू हैं, भारत के राष्ट्रपति के प्रति रुपये (६०.....) की रकम का राष्ट्रपति को संदाय करने के लिए वृद्धतापूर्वक आबद्ध हैं। इस रकम का संदाय पूर्णतः और सही रूप में करने के लिए हम में से प्रत्येक इस विधि द्वारा स्वयं को और अपने वारिसों, निष्पादकों, प्रशासकों और समनुदेशितियों को संयुक्ततः और पृथकतः वृद्धता पूर्वक आबद्ध करते हैं।

परन्तु यह कि यदि दावेदार को रुपये (..... रुपये) की उक्त रकम का संदाय कर दिया जाता है तो दावेदार या उसका/उसके प्रतिभू किसी अन्य व्यक्ति/व्यक्तियों द्वारा (..... रुपये) (..... रुपये) की पूर्वोक्त रकम या उसके किसी भाग की बाबत लोक सभा, राज्य सभा सचिवालय के विरुद्ध दावा किए जाने की दशा में उक्त रकम या उसके ऐसे भाग का जिसका व्यक्ति/व्यक्तियों द्वारा दावा किया जाए, संदाय करेंगे या करवायेंगे या लोक सभा, राज्य सभा सचिवालय की, पूर्वोक्त रकम और उसके सम्बन्ध में किए गए किसी दावे के परिणामस्वरूप उपगत सभी खर्च से संबंधित सभी बाधित्वों से अन्यथा उसकी क्षतिपूर्ति करेंगे और उसको हानिरहित रखेंगे तो उपरिलिखित बंधपत्र या बाध्यता शून्य हो जाएगी अन्यथा यह पूर्णतया प्रवृत्त और बलशील बनी रहेगी।

उक्त लिखित बंधपत्र के साक्ष्यस्वरूप हम

साक्षी (1) उपरिलिखित नामित दावेदार)
साक्षी (2) (उपरिलिखित नामित प्रतिभू)
साक्षी (3) उपरिलिखित नामित प्रतिभू)
ने आज तारीख 19 को इस पर अपने हस्ताक्षर किए हैं।

[फा० 11/3/एम० एस० ए०/८०]

अबतार सिंह रिष्ठी, सचिव

LOK SABHA SECRETARIAT

New Delhi, the 1st March, 1982

G. S. R. 239(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section(3) of section 9 of the Salary, Allowances and Pension of Members of Parliament Act, 1954 (30 of 1954), the Joint Committee constituted under sub-section (1) of that section, after consultation with the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Members of Parliament (Travelling and Daily Allowances) Rules, 1957, the same having been approved and confirmed by the Chairman of the Council of States, and the speaker of the House of the People, as required by sub-section (4) of the said section, namely:—

- (i) These rules may be called the Members of Parliament (Travelling and Daily Allowances) Amendment Rules, 1982.
- (ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Members of Parliament (Travelling and Daily Allowances Rules, 1957:—

(a) after rule 18A, the following rule shall be inserted, namely :—

“18B (1) Every Member shall, as soon as he is elected or nominated to either House of Parliament, lodge with the Secretariat of the concerned House of Parliament a nomination in Form ‘E’ stating the particulars of the nominee who shall in the event of such Member’s death be entitled to receive the salary, additional facilities allowance, travelling allowance, daily allowance, medical reimbursement claims and any other allowances and claims whatsoever, payable to such Member, under the provisions of the Act and the rules framed thereunder for the time being in force, and which remain unpaid to him at the time of his death.

(2) Every nominee under sub-rule (1) shall, before claiming payment furnished a bond in Form ‘F’ to the Secretariat of the House to which the deceased Member was elected or nominated.”

(b) after form ‘D’ the following Forms shall be inserted namely :—

Form ‘E’

[See rule 18B (1)]

NOMINATION FORM

(To be filled in Duplicate)

I,.....Member of Lok/Rajya Sabha hereby nominate the person(s) mentioned below who is/are member(s) of my family and confer on him/them the right to receive Salary/Additional Facilities Allowance/Travelling/Daily Allowance/Medical Reimbursement Claims and any other allowances and claims whatsoever which becomes due to me from the Lok/Rajya Sabha Secretariat and remain unpaid to me in the event of my death.

Original Nominee			Alternative Nominee		
Name and address of nominee	Relationship with Member	Age	Name and address of nominee	Relationship with Member	Age
Dated this.....day of.....19 at.....					
Witness to signature					
1.....					
Name.....					
(Address).....					
.....					
2.....					
Name.....			Signature of Member		
Address.....			Name.....		
			Serial No.....		

NOTE: The member is advised that it would be in the interest of his nominee if copies of the nomination and the related notices and acknowledgements are kept in safe custody so that they may come into the possession of the beneficiaries in the event of his death.

Form ‘F’

[See Rule 18B(2)]

FORM OF BOND OF INDEMNITY FOR DRAWING ARREARS OF SALARY, ADDITIONAL FACILITIES ALLOWANCE, TRAVELLING AND DAILY ALLOWANCES, MEDICAL REIMBURSEMENT CLAIM AND ANY OTHER ALLOWANCES AND CLAIMS WHATSOEVER DUE TO A DECEASED MEMBER OF LOK/RAJYA SABHA.

WHEREAS.....was at the time of his (name of deceased)

death a Member of Lok/Rajya Sabha and there was due to him the sum of Rupees.....(for Salary, Additional Facilities Allowance, Travelling and Daily Allowances and Medical Reimbursement Claim in respect of his said office) AND WHEREAS the above bounden.....

(name of Claimants)

.....(Hereinafter called the Claimant) claims to be entitled to the said sum as heir/heirress of the said.....but has

(name of deceased)

not obtained letters of administration or of a succession certificate to the property and effects of the said.....

(name of deceased)

.....including the said sum of Rupees.....

Rs.....AND WHEREAS the Claimant has satisfied the Lok Sabha/Rajya Sabha Secretariat that/he/she is entitled to the aforesaid sum and that it would cause undue delay and hardship if the Claimant were required to produce letters of administration or of a succession certificate to the property and effects of the said.....

(name of deceased)

including the said sum of Rupees.....

Rs.....

AND WHEREAS the Lok Sabha/Rajya Sabha Secretariat desire to pay the sum of Rupees.....Rs.....to the Claimant but require the claimant first to execute a bond with one surety/two sureties to indemnify and keep indemnified and harmless the Lok Sabha/Rajya Sabha Secretariat against all claims to the sum of Rupees.....Rs.....due as aforesaid to the said.....

(name of deceased)

before the said sum can be paid to the Claimant.

KNOW ALL MEN by these presents that I,.....(Full name of

Claimant with place of residence) (State relationship to the deceased)

and I/we.....

(Full name or names of sureties)

sureties for him/her are held firmly bound to the President of India in the sum of Rupees.....Rs.....to be paid to the President, FOR WHICH payment to be well and truly made, each of us jointly and severally binds himself and his heirs, executors, administrators and assigns firmly by these presents:

PROVIDED that if after payment of the said sum of Rupees.....Rs.....has been made to the Claimant, the Claimant or the surety/sureties shall, in the event of a claim being made by any other person(s) against the Lok Sabha/Rajya Sabha Secretariat with respect of the afore-

said sum of Rupees.....Rs.....
or any part thereof pay, or cause to be paid, the said sum or such
part thereof as may be the subject of claim by third person(s) or
shall otherwise indemnify and save the Lok Sabha/Rajya Sabha
Secretariat harmless from all liability in respect of the aforesaid
sum and all cost and expenses incurred in consequence of any
such claim thereto THEN the above written bond or obligation
shall be void BUT OTHERWISE the same shall remain in full
force and virtue.

IN WITNESS WHEREOF WE

WITNESS (1) (Claimant above named)
WITNESS (2) (Surety above named)
WITNESS (3) (Surety above named)
have hereunto set out hands this.....day of.....
19

[F. 11/3/MSA/80]

AVTAR SINGH RIKHY, Secy.